कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार): (क) जी, नहीं। तथापि, फरवरी, 1994 के दौरान मध्य प्रदेश सरकार से लगभग 4.35 करोड़ रुपए की लागत के अन्तर्देशीय मत्स्य विपणन योजना के संवर्धन के लिए पांच इकाइयों के वास्ते प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

(ख) इन प्रस्तावों की स्वीकृति करना सम्भव नहीं हुआ है क्योंकि इनके वर्तमान स्तर पर अन्तर्देशीय मत्स्य विपणन की योजना को अभी रोक दिया गया है।

कृषि और गायों की नस्ल सुधार के लिए प्रोत्साहन

3248. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने गुजरात में कृषि और गायों की नस्ल में सुधार करने को प्रोत्साहन देने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) क्या सरकार गुजरात के किसानों को कृषि-क्षेत्र में इजरायली तकनीक उपलब्ध कराने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) और (ख) गीर नस्ल की गायों के विकास के लिए "राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम" के अन्तर्गत गुजरात सरकार को 1993-94 में 188.00 लाख रुपए का सहायता अनुदान दिया गया था। उच्च उत्पादन तथा खाद्य एवं वाणिज्यिक फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत वित्तीय प्रोत्साहन भी दिए जाते हैं। आठवीं योजना के अन्तर्गत, गुजरात के लिए कृषि, पुशपालन तथा संबंधित कार्यकलापों के लिए 732 करोड़ रुपए का परिव्यय रखा गया है।

(ग) और (घ) जल प्रबन्ध की प्रोद्योगिकी को प्राप्त करके कृषि में सुधार करने, ड्रिप सिंचाई, ग्रीनहाऊस, पुष्पोत्पादन तथा नाशवान जिन्सों के कटाई पश्चात् रख-रखाव आदि के लिए गुजरात सरकार ने इजराइली फर्मों/एजेंसियों के साथ कुछ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

दूध का उत्पादन

3249. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूध की प्रतिदिन प्रति व्यक्ति उपलब्धता कितनी है;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान दुग्ध-उत्पादन का राज्य-वार क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार और राज्य-वार दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु बनाए गए मुख्य नियंत्रण क्षेत्रों, केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान ऐसी योजनाओं के लिए अलग-अलग दी गई धनराशि का योजना-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान निजी तथा सहकारी क्षेत्र सहित डेरी उद्योग में किए जाने वाले निवेश का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) वर्ष 1992-93 के दौरान दूध की प्रतिदिन प्रति व्यक्ति उपलब्धता 182 ग्राम थी।

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के राज्य-वार लक्ष्य विवरण-I में दिए गए हैं (नीचे देखिए)

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के लिए किया गया राज्य-वार व्यय अनुपत्र-2 पर दिया गया है। (देखिए परिशिष्ट 171, अनुपत्र सं. 54)

(घ) दूध के उत्पादन से सम्बन्धित योजनाओं के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना के परिव्ययों का ब्यौरा विवरण II पर दिया गया है। (नीचे देखिए)

(ङ) आठवीं योजना के दौरान, पशुपालन तथा डेरी विकास के लिए केन्द्रीय क्षेत्र के 900 करोड़ रुपये को मिलाकर सार्वजनिक क्षेत्र में 2838.32 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है।

विवरण-I

आठवीं योजना (1996-97) के दौरान देश में दुग्ध उत्पादन का राज्य-वार निर्धारित लक्ष्य

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	आठवीं योजना के लिए दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य ("00 टन)
1	2	3
1.	आन्ध्र प्रदेश	4400
2.	अरुणाचल प्रदेश	44
3.	असम	850
4.	बिहार	3720
5.	गोवा	30

1	2	3
6.	गुजरात	3786
7.	हरियाणा	3900
8.	हिमाचल प्रदेश	700
9.	जम्मू तथा कश्मीर	756
10.	कर्नाटक	3362
11.	केरल	2500
12.	मध्य प्रदेश	5700
13.	महाराष्ट्र	4830
14.	मणिपुर	140
15.	मेघालय	83
16.	मिजोरम	18
17.	नागालैण्ड	46
18.	उड़ीसा	700
19.	पंजाब	7100
20.	राजस्थान	5800
21.	सिक्किम	37
22.	तमिलनाडु	3820
23.	त्रिपुरा	40
24.	उत्तर प्रदेश	14000
25.	पश्चिम बंगाल	4000
26.	अंदमान और निकोबार द्वीप समूह	26
27.	चण्डीगढ़	42
28.	दादरा और नगर हवेली	3
29.	दमण और दीव	2
30.	दिल्ली	310
31.	लक्षद्वीप	1
32.	पाण्डिचेरी	34

विवरण-II

दुग्ध उत्पादन से संबंधित आठवीं योजना के लिये परिव्ययों का विवरण

(लाख रुपये में)

क्र.सं.	योजना का नाम	परिव्यय (1992–97)
1.	हिमित वीर्य प्रौद्योगिकी तथा सांड संतति परीक्षण का विस्तार	1975
2.	गोपशु तथा भैंसों की स्वदेशी नस्लों के विकास/राष्ट्रीय सांड उत्पादन के लिए राज्यों को सहायता	1975
3.	राज्यों में चारा विकास के लिए चारा बीज उत्पादन फार्मों का सुदृढ़ीकरण तथा बुनियादी सुविधाओं तथा आदान सेवाओं का प्रावधान	1975
4.	राष्ट्रीय पशुप्लेग उन्मूलन परियोजना	9613
5.	राष्ट्रीय महत्व के पशुधन रोगों का नियंत्रण तथा पशु रोग निगरानी/खुरपका तथा मुंह-पका रोग नियंत्रण	4000
6.	व्यावसायिक क्षमता विकास	500
7.	गैर-आपरेशन फ्लड, पहाड़ी तथा पिछड़े क्षेत्रों के लिए एकीकृत डेरी विकास योजना	20000

सब्जियों के मूल्यों में वृद्धि

3250. **श्री आस मोहम्मद:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इस वर्ष सब्जियों के मूल्यों में असामान्य वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो इसके मुख्य कारण क्या हैं;

(ग) सरकार ने सब्जियों के मूल्यों में वृद्धि की इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने एवं लोगों को उचित मूल्य पर सब्जियां उपलब्ध कराने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं;

(घ) क्या सरकार खुदरा फल और सब्जी विक्रय-केन्द्र खोलने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) और (ख) हाल के महीनों के दौरान सब्जियों की कीमतों में कुछ वृद्धि हुई है, जो मुख्यत: मौसम के परिवर्तन के कारण है।

(ग) भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) सब्जियों को वाजिब दामों पर बिक्री को बढ़ावा देने के लिए चुनिंदा सब्जियों की खरीद और बिक्री करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस प्रकार, नेफेड किसानों तथा उपभोक्ताओं को राहत पहुंचा रहा है। दिल्ली में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन. डी. डी. बी.) भी इसी प्रकार की भूमिका निभाता है।

(घ) और (ङ) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की फल तथा सब्जी परियोजना के अंतर्गत एन. डी. डी. बी. ने दिल्ली में 190 खुदरा बिक्री केन्द्र खोले हैं। नेफेड तथा बागवानी उत्पादक सहकारी विपणन तथा प्रसंस्करण समिति (एच.'ओ. पी. सी. ओ. एम. एस.), बंगलौर जैसी राज्य एजेंसियों द्वारा इसी प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं।